विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत व्याकरण 30 जून 2020

वर्ग सप्तम राजेश कुमार पाण्डेय

स्मरणीयम्

1. दो वर्णों के अत्यधिक समीप होने पर उनके मेल से होने वाला परिवर्तन हो 'सन्धि' कहते हैं।
2. सन्धि के तीन भेद हैं। - स्वर सन्धि, व्यञ्जन सन्धि तथा विसर्ग सन्धि।
3. दो स्वर के मेल से होने वाला विकार 'स्वर - सन्धि' कहलाता है।
4. दो व्यञ्जनों के मेल से होने वाले विकार 'व्यञ्जन - सन्धि कहलाता है।
5. विसर्ग तथा स्वर व्यंजन के मिलने पर होने वाला परिवर्तन ' विसर्ग- संधि' कहलाता है।
6. स्वर- संधि के आठ भेद होते हैं।– दीर्घ,गुण, वृद्धि, यण्,अयादि, पूर्वरुप, पररुप सन्धि, तथा प्रकृतिभाव ।

7. दो समान स्वरों के मिलने पर दोनों के स्थान पर एक दीर्घ स्वर हो जाता है, यही दीर्घ संधि है।
8. अं/आ के बाद इ/ई आए, तो उनके (दोनों) के स्थान पर 'ए' हो जाता है।
9. अं/आ के बाद उ/ऊ आए ,तो उनके स्थान पर 'ए' हो जाता है ।

10 अ/आ के बाद ऋ आने पर उनके स्थान पर अर् हो जाता है।